an>

Title: Regarding Issue of Pending Applications of Visas

श्री गोपाल शेट्टी (मुम्बई उत्तर): महोदय, धन्यवाद ।

महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा आपके सामने लाना चाहता हूँ । गत 2.5 वर्षों से देश ही नहीं, दुनिया भर में कोरोना महामारी से पूरी दुनिया हैरान, परेशान हो गई और उसके बाद यूक्रेन और रशिया का वार शुरू हो गया । इन कारणों से बहुत सारे बच्चे विदेश से देश में आ गए, लेकिन अभी जब वापस जाने की नौबत आती है तो यह पता चल रहा है कि विदेश की सारी एम्बेसीज बंद हुई हैं और वीजा मिलने में बड़ी कठिनाई हो रही है । कनाडा का तो ऐसा पता चला है कि 1 लाख 27 हजार से भी ज्यादा ऑनलाइन वीजा लोगों ने अप्लाई किया है और कोई हलचल वहाँ से नहीं हो रही है । बहुत सारे ऐसे बच्चे हैं और इन्होंने 10 लाख, 15 लाख, 20-20 लाख रुपये फीस वहाँ पर भरी है, लेकिन इनका कोई लाइनअप नहीं हो रहा है ।

साथ ही साथ मैं आपको यह भी बताना चाहूँगा कि भारत एक बहुत बड़ा संस्कृति प्रधान देश है । 'दयारो' गुजरात का सबसे बड़ा एक सांस्कृतिक गाने का कार्यक्रम है, उस प्रोग्राम को करने के लिए हमारे देश से बहुत सारे लोग अमेरिका जाते हैं, लेकिन उन्हें भी वीजा नहीं मिल रहा है । मैं इन दोनों मुद्दों की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा । मैं सम्माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहूँगा कि वे एक क्लेरिफिकेशन नोट जारी करें ताकि देश के लोगों को पता चले कि प्रॉब्लम कहाँ है । हमारे यहाँ से बहुत बड़ी प्रॉब्लम नहीं है । यह प्रॉब्लम विदेश की है, लेकिन लोगों को इसके बारे में पता चलना चाहिए । लोग रोज हमारे पीछे पड़ते हैं कि आप इस मंत्री को बोलिए, उस मंत्री को बोलिए, अब मंत्री जी से हम एक, दो, तीन, चार, पाँच केस बोल सकते हैं । अगर वीजा की लाखों एप्लीकेशन पेन्डिंग हैं तो इसका जल्दी से जल्दी निपटारा हो, यह मैं आपके माध्यम से अपेक्षा करता हूँ ।

महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।